NEWS CLIPPING: 28.11.2017

DAINIK JAGRAN

डॉ.अंबेडकर थे सामाजिक नवजागरण के अग्रदूत: चौहान

संविधान दिवस पर शपथ लेते वाईएमसीए विश्वविद्यालय के कर्मचारी तथा विद्यार्थी

जासं, फरीदाबाद: वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में 'संविधान दिवस' के उपलक्ष्य में कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा भारतीय संविधान निर्माता डॉ. भीमराव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम का शुभारंभ अधिष्ठाता विद्यार्थी कल्याण प्रो.नरेश चौहान ने भारत रत्न डॉ अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण करके किया। संचालन डॉ.सोनिया बंसल तथा डॉ ज्योत्सना चावला ने किया। कार्यक्रम का संबोधित करते हुए प्रो. चौहान ने कहा कि डॉ अंबेडकर संविधान-निर्माता के साथ-साथ प्रबुद्ध चिंतक एवं सामाजिक नवजागरण के अग्रदूत थे। उन्होंने समाज में विद्यमान रूढ़िवादी मान्यताओं एवं विषमताओं के विरूद्ध तथा सामाजिक न्याय एवं कमजोरों को अधिकार दिलाने के लिए संघर्ष किया। कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने डॉ.अंबेडकर को एक महान विधिवेता एवं शिक्षाविद् बताते हुए कहा कि भारतीय संविधान ने देश में अब तक लोकतांत्रिक मूल्यों को बरकरार रखा है, जिसका श्रेय संविधान निर्माताओं को जाता है। विद्यार्थियों द्वारा भी डॉ.अंबेडकर के जीवन एवं भारतीय संविधान की प्रस्तावना पर चर्चा भी की गई तथा सदैव संविधान की अनुपालना की शपथ दिलाई ली।

NEWS CLIPPING: 28.11.2017

HINDUSTAN

वाईएमसीए में संविधान रक्षा की शपथ दिलाई

संविधान दिवस

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

सेक्टर-12 खेल परिसर और वाईएमसीए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में सोमवार को ह्यसंविधान दिवसह्ण मनाया गया। इस मौके पर संविधान की रक्षा के लिए छात्र, प्रोफेसर, कोच और अधिकारियों को शपथ दिलाई गई। वही, भारतीय संविधान निर्माता डॉ भीम राव अंबेडकर को श्रद्धांजलि दी गई।

सेक्टर-12 खेल परिसर में सुबह नौ बजे से अजरौंदा सहित कई राजकीय स्कूल के छात्र एकत्रित होने लगे। इसके अलावा शिक्षा, खेल और जिला प्रशासन के पदाधिकारी मौजूद थे।

करीब 10.30 बजे उपायुक्त अतुल कुमार ने एथलेटिक मैदान में सभी को शपथ दिलाई। इस मौके पर करीब 300 छात्र और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। वहीं, वाईएमसीए में सुबह नौ बजे भारत रत्न डॉ भीम राव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण किया गया। इसका संचालन डॉ. सोनिया बंसल तथा डॉ ज्योत्सना चावला ने किया। इस मौके पर विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों ने भारतीय संविधान की प्रस्तावना के महत्वपूर्ण बिंदुओं पर प्रकाश डाला।